जीवनप्रभात : देश का उज्जवल भविष्य

गुजरात के कच्छ जिले में 26 जनवरी 2001 को आये विनाशकारी भूकम्प में माता – पिता गँवा चुके बच्चों हेतु आर्यसमाज ने " जीवनप्रभात " संस्था की शुरूआत की।

इस संस्था की शुरूआत ही बच्चों के जीवन में पुनः प्रभात लाने के उद्देश्य से की गई ताकि भूकम्प में अनाथ हुए ये सारे बच्चे अब अनाथ न रहें, वे सनाथ हो जायें इस उद्देश्य को हम साथ लेकर चल रहे हैं। भूकम्प के तीन दिन बाद ही स्थापित इस संस्था के कुछ उद्देश्य रखे गये थे जो आज गर्व के साथ हम कह सकते है कि उन्हें हम परिपूर्ण कर पायें है।

जीवनप्रभात की विशेषताएँ निम्न है :–

▶ हम बिना किसी जाति व धर्म के भेद भाव से इन बच्चों को पाल रहे हैं। समान शिक्षा, समान वस्त्र, समान भोजन इन बच्चों को मिल रहा हैं। कोई बता नहीं सकता कि वे कौन से धर्म, जाति के हैं।

▶ इन बच्चों के चेहरे देखकर ही कोई कह सकता है कि ये बच्चे कितने खुश हैं। इस खुशी का कारण है कि हम इन बच्चों से बरतन धोने, कपड़े धोने, भवन सफाई आदि के कार्य नहीं करवाते, जो अनेक अनाथालयों में होता है ।

▶ इन बच्चों को नये कपड़े ही पहनाये जाते है ।

▶ इन बच्चों को रिसेप्शन आदि से बचा हुआ झूठा भोजन कभी नहीं कराया जाता है ।

▶ इन बच्चों के जन्मदिन हर वर्ष मनाये जाते हैं । जन्म दिन के दिन बच्चा एक किलो चॉकलेट स्कूल ले जाकर बाँटता है क्यों कि हर बच्चे के जन्मदिन पर अन्यों की चॉकलेट भी खाता है । उसे जन्मदिन की मनपसंद नयी ड्रेस दी जाती है ।

▶ हमारी स्वयं की गौशाला है जिसमें से बच्चों को शुद्ध गाय का दूध मिलता है ।

▶ हर बच्चा स्कूल पढ़ने जाता है । स्कूल से लौट कर उसे संस्था के छः शिक्षक सम्भालते हैं । जो होमवर्क कराते है । अतिरिक्त पढ़ाई कराते है तथा उनकी इतर प्रवृत्तियों पर ध्यान देते है ।

▶ बच्चों का स्वाभिमान व आत्मविश्वाास हमेशा बना रहे इस लिए हम उन्हें दरिद्रता, अभाव, दीनता–हीनता से दूर रखते हैं ।

▶ संस्था के कुल बजट का करीब 35% खर्च पढ़ाई व इतर प्रवृत्तियों के पीछे किया जाता है ।

▶ बच्चों की स्कूल फीस माफ नहीं कराई जाती, बल्कि दान–दाता उन बच्चों की फीस Sponsor करते हैं।

▶ बच्चों का सुन्दर परिसर चार एकड़ जमीन में विकसित है व भव्य तथा सुन्दर है तथा हमेशा well maintained व स्वच्छ रहता है । भवन में धुसते ही सारी जगह बच्चों की कलाकृतियाँ सजावट नजर आती हैं । बच्चों का सुन्दर बगीचा भी है ।

▶ बच्चों के कम्प्यूटर कक्ष, कलाकृति कक्ष, पुस्तकालय, वाचनालय, संगीत कक्ष, इन्डोर गेम रूम आदि बने हुए है ।

▶ इन बच्चों को सम्भालने के लिए हर प्रकार का स्टाफ है । औसतन हर पाँच बच्चे के पीछे एक स्टाफ नियुक्त है ।

▶ ये बच्चे इतर प्रवृत्तियों में भी बहुत भाग लेते हैं व शहर के होने वाले अनेक आयोजनों में भाग लेकर पुरस्कार भी प्राप्त करते हैं ।

▶ इन बच्चों की दिनभर की निर्धारित दिनचर्या है, उसके अनुसार इन्हें चलाया जाता है । बच्चे सुबह 05:30 उठते है व रात्रि 9 बजे सोते हैं । पढ़ाई के अलावा उन्हें पूरे दिन भर संस्कारो से सिंचित किया जा रहा हैं । मानवीय गुणों को उनके जीवन में लाया जा रहा है।

▶ हम आये हुए मेहमानों को इन बच्चों के परिसर में ही ठहराते है ताकि वे 24 घंटो की गतिविधि अच्छे से देख सकें । मेहमानों हेतु अच्छे Air conditioned अतिथि भवन बनाये हुए है ।

▶ जीवनप्रभात प्रकल्प द्वारा करीब 40 परिवारों को रोजीरोटी मिल रही है।

▶ बच्चों को हर चीज खाने को मिलती है। वर्ष भर अनेकों पार्टियाँ परिसर में होती रहती है। बच्चों को रिसेप्शन पार्टियों में बाहर भी बुलाया जाता है। वे किसी भी व्यंजन से अपरिचित नहीं हैं – उसके लिए तरसते नहीं हैं।

▶ बच्चों की छोटी छोटी पिकनिकें वर्ष भर होती रहती है परन्तु प्रतिवर्ष 5–6 दिन की बड़ी पिकनिक भी मई जून में करवायी जाती है।

▶ बच्चों को TV मात्र 45 मिनट ही दिखायी जाती है जिसमें वे निर्धारित चैनल ही देखते है।

▶ पूरा परिसर CCTV कैमरे से घिरा हुआ है।

▶ बच्चे पूर्ण अनुशासित व मेहनती बनाये जा रहे हैं। शिक्षा के अतिरिक्त इन्हें स्वाभिमानी, संस्कारी व राष्ट्रभक्त बनाया जा रहा है।

▶ बच्चों हेतु प्राप्त पैसों की दान रसीद तो हर जगह बनती ही है पर उनके लिए प्राप्त वस्तुओं की रसीद भी हम बनाते है और उसे बच्चों में ही बाँटा जाये यह सुनिश्चित है।

▶ संस्था का पूरा प्रशासन पारदर्शी बनाये रखा गया है। करीब 40 प्रकार के रिकार्ड प्रतिदिन दर्ज किये जाते है।

▶ लड़कों को अपने पैरों पर खड़ा होने तक की जिम्मेदारी आर्य समाज निभायेगा तथा लड़कियों की शादी करने की जिम्मेदारी भी आर्य समाज निभायेगा।

▶ बच्चे समय समय पर अनेक राष्ट्रीय स्तर के महानुभावों से मिल चुके है व आशीर्वाद प्राप्त कर चुके हैं।

▶ बच्चों का I.Q. Level बहुत अच्छा है व बच्चे बड़े ही आत्मविश्वास से भरे हुए है। जरूर ये बच्चे अच्छे नागरिक बनके भारत राष्ट्र का नाम रोशन करेंगे।

इन बच्चों के माता पिता नहीं रहे इस बात का हम सभी को दुःख है परन्तु यदि माता पिता रहते तो इनका शायद इतना विकास नहीं हो सकता जो जीवन प्रभात में हो रहा है। यदि माता पिता न रहने के बाद इन बच्चों को हमने न सम्भाला होता, तो छत्रछाया के बिना ये बच्चे इधर उधर भटक जाते व असामाजिक तत्वों के शिकार भी हो जाते।

आज इन बच्चों को बड़े उद्देश्य पूर्ण ढंग से हम पाल रहें है। घर के दो बच्चों को पालना कितना कठिन कार्य है यह हम सभी जानते हैं । सतत देखरेख व मेहनत के साथ इन बच्चों को हीरे की तरह तराशा जा रहा है। यह कार्य 24 घन्टे का है व वर्षो का है। इस कठिन चुनौती को आर्य समाज के सभी सदस्य, पदाधिकारी व स्टाफ सदस्य अच्छी तरह निभा रहे हैं। साथ ही दानदाता भी पूरे विश्व से इन्हें पालने हेतु सहयोग दे रहें हैं।

हम सरकारी सहायता नहीं लेते, हमने बैंक में **F.D.** भी नहीं की है जिसके ब्याज से कार्य चलें। हमें तो मात्र दानदाताओं के सहयोग का ही आधार है। हम घर–घर, नगर–नगर रसीद बुक लेकर भी दान इकट्ठा करने नहीं निकलते हैं हालांकि जीवनप्रभात का प्रतिदिन का खर्च 10,000 रूपये से ज्यादा का है।

हम सारे दान दाताओं के आभारी है व सतत आपसे प्रार्थना करते है कि आप अपनी कमाई की छोटी सी आहुति इन बच्चों के लिए भी निकालिये । भगवान ने आपको देने का सामर्थ्य दिया है तो क्यों न दान देकर पुण्यशाली बनें। आपका छोटा बडा हर दान इनके जीवन को निखारने में काम आयेगा। आप जरूर इन बच्चों का जीवन सवारें व दूसरों को भी प्रेरित करें, ऐसी प्रार्थना हैं।

आप संस्था परिसर की जरूर मुलाकात ले – स्वयं देखें – आपको अच्छा लगेगा।